Department of Economics

L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI (BIHAR)

(a constitueant unit of B.R.A. University, Muzaffarpur (Bihar)

NAAC Accredited 'B+'

Topic : अल्पाधिकार की अवधारणा (CONCEPT OF OLIGOPOLY)

BA Economics Part I MJC/MIC/MDC (Semester I)

Instructor

Dr. Ram Prawesh

Guest Faculty (Department of Economics)

L.N.D. COLLEGE, MOTIHARI (BIHAR)

अल्पाधिकार की अवधारणा (CONCEPT OF OLIGOPOLY)

'Oligopoly' शब्द ग्रीक भाषा के 'Oligoi' जिसका अर्थ थोड़े (A Few) तथा 'Pollein' जिसका अर्थ बेचना (To Sell) है, दो शब्दों से मिलाकर बनाया गया है। इस प्रकार अल्पाधिकार का अर्थ है, थोड़े-से विक्रेताओं में प्रतियोगिता। अल्पाधिकार उस समय उत्पन्न होता है जबकि थोड़े से विक्रेता होते हैं। अल्पाधिकार अथवा थोड़े-से विक्रेताओं के बीच प्रतियोगिता तब होगी, जब उद्योग के समरूप वस्तु का उत्पादन करने वाली अथवा उनके समीप स्थानापन्न वस्तुओं का उत्पादन करने वाली फर्मों की अल्प संख्या होती है। अतः अल्पाधिकारी बाजार की वह स्थिति है जिसमें अधिक विक्रेताओं का अस्तित्व पाया जाता है परन्तु उनकी संख्या उतनी बड़ी नहीं होती जितनी पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत पायी जाती है।

चूँकि अल्पाधिकार में फर्मों या विक्रेताओं की संख्या बहुत सीमित होती है इसलिए प्रत्येक फर्म में किसी निर्णय का उसके प्रतिद्वन्द्वियों पर तो प्रभाव पड़ता ही है, साथ ही इसके प्रतिद्वन्द्वियों द्वारा लिये गये निर्णयों का भी इस फर्म पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। अतः अल्पाधिकार बाजार में विद्यमान सभी विक्रेता इस परस्पर निर्भरता का अनुभव करते हैं एवं इसके अनुरूप ही कीमत एवं उत्पादन सम्बन्धी निर्णय लेते हैं। यही कारण है कि अल्पाधिकार स्थिति को अर्थशास्त्रियों ने 'परस्पर निर्भरता' (Interdependence) की संज्ञा दी है।

इसी प्रकार अल्पाधिकार को कई बार 'कुछ में प्रतियोगिता' (Competition among the Few) भी कहा जाता है। भारतीय दृष्टि से अल्पाधिकार के कुछ महत्वपूर्ण उदाहरण निम्नलिखित सारणी 1 में प्रस्तुत किये गये हैं-

सारणी 1- अल्पाधिकार के उदाहरण

उत्पाद	उत्पादक (अल्पाधिकारी)
1. मालगाड़ी के डिब्बे	जेसान्स, ब्रेथवेट, टेक्समेको
2. बिजली के पंखे	ओरिएण्ट, ऊषा व क्रॉम्पटन
3. ऊनी वस्त्र	लाल इमली, धारीवाल
4. मिट्टी का तेल	रेमण्ड कॉलटैक्स, बर्मा शैल एवं एस्सो

इस प्रकार रासायनिक उर्वरक, मशीनरी, बॉलबियरिंग्स, कागज, डिटरजेण्ट आदि वस्तुओं में भी अल्पाधिकार की दशाएँ पायी जाती हैं। योजना काल में देश में जो विलासिता, अर्द्धविलासिता व आराम की उपभोग्य वस्तुएँ बनने लगी है, उनमें अधिकतर अल्पाधिकार बाजार से ही सम्बद्ध हैं।

परिभाषाएँ (Definitions) - अल्पाधिकार की कुछ प्रमुख परिभाषाएँ निम्नलिखित हैं-

(1) मेयर्स (Meyers) के अनुसार, "अल्पाधिकार बाजार की उस अवस्था को कहते हैं जहाँ विक्रेताओं की संख्या इतनी कम होती है कि प्रत्येक विक्रेता बाजार की कीमत पर प्रभाव पड़ता है तथा प्रत्येक विक्रेता इस बात को जानता है।"

(2) जॉन राबिंसन के अनुसार, "यह एकाधिकार व प्रतियोगिता की मध्यवर्ती स्थिति है जिसमें विक्रेताओं की संख्या एक से अधिक होती है परन्तु इतनी बड़ी नहीं कि बाजार कीमत पर किसी एक के प्रभाव को नगण्य बना दे।"

(3) लेफ्टविच (Leftwich) के अनुसार, "बाजार की वे दशाएँ अल्पाधिकार की दशाएँ कहलाती हैं जिनमें थोड़ी संख्या व इतने-से विक्रेता पाये जाते हैं कि एक की क्रियाएँ दूसरों के लिए महत्वपूर्ण होती है।"

इस प्रकार 'अल्पाधिकार' 'एकाधिकार', 'पूर्ण प्रतियोगिता' व 'एकाधिकृत प्रतियोगिता' से भिन्न होता है। एकाधिकार में केवल एक विक्रेता होता है, पूर्ण प्रतियोगिता तथा एकाधिकृत प्रतियोगिता में विक्रेताओं की अधिक संख्या होती है, जबकि अल्पाधिकार में केवल थोड़े से विक्रेता होते हैं।

संक्षेप में, बाजार में अल्पाधिकार की स्थिति उस समय कही जाती है जब उद्योग में समरूप वस्तु उत्पादन करने वाली अथवा निकट स्थानापन्न वस्तुओं का उत्पादन करने वाली फर्मों की संख्या अलग या बहुत थोड़ी होती है। दूसरे शब्दों में, एक वस्तु के दो से अधिक विक्रेता (परन्तु बहुत अधिक नहीं) होने पर अल्पाधिकार की स्थिति मानी जाती है।

अल्पाधिकार की अवधारणा व परिभाषाओं के अध्ययन से अल्पाधिकार के निम्नलिखित तथ्यों का आभास होता है-

(i) एक वस्तु के थोड़े-से विक्रेता होते हैं।

(ii) वस्तु समरूप हो सकती है और वस्तु-विभेद भी पाया जाता है।

(iii) एक फर्म के कीमत-उत्पत्ति निर्णय दूसरी प्रतिद्वन्द्वी फर्मों के कीमत-उत्पत्ति निर्णयों को अवश्य प्रभावित करते हैं अर्थात् फर्मों में परस्पर निर्भरता पायी जाती है।

(iv) फर्म विज्ञापन का व्यापक रूप से उपयोग करती है।

(v) कीमत स्थिरता पायी जाती है अर्थात् कीमत एक ही स्तर पर बनी रहती है।

(vi) फर्मों के प्रवेश एवं बहिर्गमन की स्वतन्त्रता होती है।

अल्पाधिकार की विशेषताएँ (CHARACTERISTICS OF OLIGOPOLY)

अल्पाधिकार की विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

1. विक्रेताओं की अल्प संख्या,
2. परस्पर निर्भरता,
3. लगभग सजातीय वस्तु या विभेदित वस्तु,
4. उद्योग में नई फर्मों का कठिन प्रवेश तथा बहिर्गमन,
5. माँग वक्र की अनिश्चितता,
6. विज्ञापन की क्रियाएँ,
7. कीमत स्थिरता,
8. समूह व्यवहार,
9. असंगति।